

प्राप्त हैं। इनके उत्पादन को भी लाभ
 होता है।
 सरलीकरण (Simplification) → यह भी
 निवेशीकरण का एक प्रकार है। सरलीकरण
 का अर्थ उत्पादन की क्रियाओं को कम
 करने, कच्चे सामान तथा अर्ध-निर्मित सामान के
 आंतरिक परिवहन-खर्च को कम करने की
 करने तथा उत्पादन प्रक्रिया में सम्बन्ध
 पुनः करने हेतु सरल बनाने से है।
 संशुद्धीकरण (Rectification) → निवेशीकरण
 में प्रणालीकरण तथा निवेशीकरण तथा
 स्वयंसेवा से यथा संभव उद्योग
 संशुद्धीकरण को अपनाया है। संशुद्धीकरण
 का अर्थ आन्वेषिक श्रम के स्थान पर
 मशीनों का अधिक से अधिक उपयोग
 किया जाता है। यंत्रों के प्रयोग के
 उत्पादन से एक-एक काफी वृद्धि
 होती है। बड़े पैमाने पर यंत्रों का
 प्रयोग होने से शान्ति की दार्शनिकता में
 भी वृद्धि होती है। जर्मनी, रूस,
 अमेरिका, फ्रांस आदि समस्त औद्योगिक
 देशों में उद्योगों का पूर्ण रूप से
 यंत्रीकरण कर दिया गया है। भारत वर्ष
 में भी इस ओर काफी प्रयास किया
 जा रहा है।

वैज्ञानिक प्रबंध (Scientific Management) →

लार-गणसाधन एवं
 प्रणाली का प्रयोग परम्परागत प्रणाली के
 स्थान पर वैज्ञानिक प्रबंध के आधार
 पर किया जाता है। परिणाम स्वरूप
 श्रमिकों को उचित कार्य के लिए
 उचित पारिश्रमिक मिलता है साथ ही
 श्रमिकों पर दाय का वजन भी
 घटता है जिससे कार्य क्षमता का विकास
 किया

होगा है याप ही अमरुकी लंपरि मर
होगे हैं। उन प्रकार विवेकीकरण के
प्रकार रूप वैज्ञानिक आधार पर सम्पन्न
होगे हैं।

औद्योगिक अनुसंधान (Industrial Research) →

यहां क्रियाओं को स्वतंत्र साधन
एक अतिनाम अंग है। इसके लिए
औद्योगिक अनुसंधानशाला स्थापित की जाती
हैं जहां पर उद्योग के सभी अंगों के
सम्बन्ध में आन्तरिक प्रयोग होते रहते हैं।
इसमें उत्पादन कम कम होता है, शक्ति को
किसी के सुधार होता है तथा क्रियाओं
की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है।
नियन्त्रण (Control) →

विवेकीकरण का यह
सिद्धान्त है कि उत्पादन के समस्त
साधनों पर आन्तरिक नियन्त्रण रखना है। इस
नियन्त्रण को स्थापित करने के लिए किराने
है। प्रकार के साधन प्रयोग में लाए जाते
हैं जैसे - क्रम-विक्रम पर नियन्त्रण रखना
वस्तु अर्थ एवं पूंजी के अपत्यम को रोकना,
उत्पादन को सीमा निर्धारित करना, क्रियाओं
के कार्य पर नियन्त्रण रखना आदि।
संयोजन (Combination) →

विवेकीकरण का एक
प्रमुख सिद्धान्त संयोजन है। संयोजन का
अर्थ छोटी-छोटी तथा अनधिक इकाइयों
को एक इकाईवाली औद्योगिक इकाइयों के
साथ मिला देना है। इसमें क्रिया
उपयोगिता, उत्पादन और शक्ति सभी को
लाभ होता है।

आधुनिकीकरण (Modernisation) → आधुनिकीकरण

की विवेकीकरण का एक महत्वपूर्ण बिंदु है।
इसके अलावा सुझावों व पिछी-पिछी सुझावों
के आधार पर आधुनिकत उपचारों का
सुझावों का उपयोग किया जाता है।
विवेकीकरण के प्रत्येक चरण के अंतर्गत
कोई जोका नाम है।

राष्ट्रीयकरण (Nationalization) → विवेकीकरण का
एक प्रमुख सिद्धांत सुझावों का राष्ट्रीयकरण
ही है। जब किसी क्षेत्र में सुझावों
का किसी प्रकार निर्यात नहीं हो पाता
है तो सरकार उसका राष्ट्रीयकरण का
लेती है।

इस प्रकार हम देखते
हैं कि विवेकीकरण के उपरोक्त सभी
सिद्धांत एक दूसरे से सम्बन्धित हैं।
एक प्रत्येक की सफलता दूसरे प्रत्येक के लक्ष्य
करने पर ही निर्भर करती है।
उदाहरण के लिए बिना सरलीकरण के
विशिष्टीकरण नहीं किया जा सकता है
अथवा बिना आधुनिकीकरण किए स्वयंसेवा
नहीं हो सकता है। अतः उपरोक्त सभी
सिद्धांतों की सफलता पर ही विवेकीकरण
सफल हो सकता है।

Smil Kumar
4/5/2020